RNI Regn.No.- 54447/78 स्थापित: 1978 Postal Reg. No. UA/NTL- 08/ 2024-26

पिघलता हिमालय

वर्ष 41 अंक 42 हल्द्वानी सम्वत् 2083 सोमवार 23 मार्च 2026 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु.

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिया,
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्ताल
मंगल सिंह मर्तोलिया

समाज के लिये निरन्तरता जरूरी है

त्रिलोक सिंह वृजवाल से बातचीज

ह्यून के दिनों में भी खेल जुनून था

तिब्बत व्यापार टूटने से जोहार सबसे ज्यादा प्रभावित हो गया

राछूसैन, मल्लाघोरपट्टा का बचपन और सयानों का संरक्षण था

जोहार सहयोग निधि अल्मोड़ा कीर्तिमान के रूप में सामने है

कार्यालय प्रतिनिधि

समाज को आगे ले जाने के लिये निरन्तरता जरूरी है। नियमित ठहराव के साथ जुटने वाले विशिष्ट लोगों में से श्रीमान त्रिलोक सिंह वृजवाल का नाम उल्लेखनीय है। अपने लक्ष्य को और बढ़ा करते हुए इन्होंने जिस प्रकार की संरचना अपने समाज के लिये की उसके पीछे आर्थिक सुदृढ़ता और जरूरतमंदों को सहयोग का भाव रहा है।

पिघलता हिमालय परिवार के संरक्षक सदस्यों में शामिल श्री टी.एस.वृजवाल के दादा पान सिंह वृजवाल हुए। इनकी अगली पीढ़ी में राजेन्द्र सिंह, राम सिंह, रक्षपाल सिंह, तेज सिंह, विजय सिंह, केशर सिंह भाई हुए। भाईयों में सबसे छोटे विजय सिंह की अगली पीढ़ी के हैं- त्रिलोक सिंह। माता श्रीमती गंगोत्री देवी और पिता विजय सिंह के घर जन्म लिया- त्रिलोक सिंह और धीरेन्द्र सिंह ने। पिघलता हिमालय परिवार के संरक्षक रहे स्व.उमेद सिंह मर्तोलिया की बहन हुईं इनकी माता श्रीमती गंगोत्री देवी।

रिश्तों के इन ताने-बाने के बीच मुनस्यारी के ग्राम राछूसैन, मल्लाघोरपट्टा में 6 अप्रैल 1952 को जन्मे त्रिलोक सिंह जी की इण्टर तक की शिक्षा मुनस्यारी में ही हुई। वह बताते हैं कि गाँव का बचपन और सयानों का संरक्षण सबके लिये कारगर हुआ। इण्टर के बाद अल्मोड़ा से उच्चशिक्षा के साथ बीएड करने वाले श्री वृजवाल जी एलटी शिक्षक हो गये। नाचनी और डोर में अध्यापक के रूप में रहते हुए इनकी तैयारी जारी थी। 1978 में कपकोट में बीडीओ के रूप में तैनात हुए। समय के साथ प्रोजेक्ट डारेक्टर के रूप में इन्हें चमोली जाना हुआ। फिर अल्मोड़ा में इसी पद पर रहे। इसके बाद डीडीओ नैनीताल का पदभार इनके पास रहा और फिर ढाई साल तक चम्पावत में मुख्य विकास अधिकारी के रूप में रहते हुए अप्रैल 2012 में सेवानिवृत्त हुए। अपनी राजकीय सेवाओं के दौरान समाज में सजग वृजवाल जी अपने समय में बेहतरीन खिलाड़ी भी रहे हैं। बताते हैं- मुनस्यारी में खेल को उत्सव की तरह मनाने की परम्परा रही है और वह अपनी

शेष पृष्ठ 2 पर

महका करेंगे

डेविड हॉकिन्स पहाड़ों का सच्चा मित्र

केशव भट्ट

9 अप्रैली 2026 की सुबह लगभग चार बजे एक ऐसी खबर आई जिसने कौसानी और लक्ष्मी आश्रम से जुड़े असंख्य लोगों के मन को गहरे दु:ख से भर दिया। सबके चहेते डेविड हॉकिन्स, जिन्हें यहाँ सभी स्नेह से डेविड भाई कहकर पुकारते थे, 78 वर्ष की आयु में इस संसार को अलविदा कह गए। उनके जाने से ऐसा लगता है जैसे कौसानी की शान्त वादियों का एक आत्मीय स्वर हमेशा के लिए थम गया हो।

डेविड भाई का जन्म इंग्लैंड में हुआ था। वहीं उन्होंने अपनी पढ़ाई पूरी की और कुछ समय नौकरी भी की। लेकिन उनके भीतर बचपन से ही प्रकृति और पहाड़ों के प्रति एक गहरा आकर्षण था। वे अक्सर अकेले पहाड़ों की ओर निकल जाते थे, जैसे किसी अनजानी खोज में हों, जैसे प्रकृति से कोई सम्वाद करना चाहते हों।

जब उन्होंने गांधीवादी विचारों से प्रेरित सरला बहन और कौसानी के लक्ष्मी आश्रम के बारे में सुना, तो उनके मन में भारत आने की तीव्र इच्छा जाग उठी। सत्तर के दशक में उन्होंने एक अद्भुत यात्रा शुरू की। सड़क मार्ग से टर्की और अफ़ग़ानिस्तान होते हुए, खैबर दर्रे को पार कर वे भारत पहुँचे। उस लम्बी यात्रा के दौरान उन्होंने जो तस्वीरें खींचीं, वे आज भी एक अनमोल धरोहर हैं, इतिहास और यात्राओं का जीवन्त दस्तावेज़।

तब कुछ वर्ष उन्होंने कौसानी के लक्ष्मी आश्रम में बिताए और फिर वापस इंग्लैंड लौट गए। लेकिन पहाड़ों की पुकार शायद उन्हें चैन से बैठने नहीं देती थी। अस्सी के दशक में वे फिर भारत लौटे, इस बार हमेशा के लिए। बाद में उन्हें भारत की नागरिकता भी मिल गई और वे पूरी तरह इस देश के नागरिक बनकर यहीं के हो गए।

कौसानी में रहकर उन्होंने न केवल अपना जीवन बिताया, बल्कि यहीं अपना परिवार भी बसाया। उनकी शादी यहीं आश्रम की हंसी साह से हुई और उनकी बेटी दीपिका हॉकिन्स की शुरुआती पढ़ाई

भी कौसानी में ही हुई। आज दीपिका विदेशों में रॉक क्लाईबिंग की इंस्ट्रक्टर हैं, लेकिन उनके जीवन की जड़ें इसी पहाड़ की मिट्टी में हैं।

भूगोल के विद्यार्थी होने के कारण डेविड भाई को प्रकृति, पर्यावरण और पहाड़ों के बदलते स्वरूप का गहरा ज्ञान था। वे केवल प्रकृति के दर्शक नहीं थे, बल्कि उसके सजग प्रहरी भी थे। वर्षों तक उन्होंने कौसानी क्षेत्र में वर्षा, बर्फबारी और तापमान का नियमित और सटीक लेखा-जोखा रखा। उनके पास दशकों का ऐसा पर्यावरणीय डेटा मौजूद है, जो पहाड़ों के बदलते स्वरूप को समझने के लिए बेहद महत्वपूर्ण हो सकता है। कुछ वर्ष पहले की एक छोटी-सी घटना आज भी याद आती है। एक दिन उन्होंने मुझे पिण्डारी ग्लेशियर की अस्सी के दशक की कुछ पुरानी तस्वीरें दिखाईं। उन तस्वीरों में ग्लेशियर बहुत नीचे तक फैला हुआ दिखाई दे रहा था। तब मैंने उन्हें वर्तमान समय की पिण्डारी ग्लेशियर की तस्वीरें दिखाईं। जब उन्होंने दोनों तस्वीरों की तुलना की, तो उनके चेहरे पर गहरी उदासी उतर आई। वे कुछ देर चुप रहे और फिर धीमी आवाज़ में बोले, 'हमारा पर्यावरण बहुत तेजी से नष्ट हो रहा है।' उस क्षण उनकी आँखों में पहाड़ों के भविष्य को लेकर गहरी चिन्ता साफ दिखाई दे रही थी।

लक्ष्मी आश्रम के लिए डेविड भाई एक मजबूत स्तम्भ की तरह रहे। आश्रम के कार्यालय और हिसाब-किताब की जिम्मेदारी उन्होंने अत्यन्त ईमानदारी और अनुशासन के साथ निभाई। उनकी कार्यशैली में वही सादगी और व्यवस्थितता झलकती थी, जो सरला बहन के व्यक्तित्व की पहचान रही।

वे खादी के सामान को जीप में लेकर दन्या और आसपास के क्षेत्रों तक पहुँचाया करते थे। यह उनके लिए केवल एक काम नहीं, बल्कि गांधीवादी विचारों को जीवन में उतारने का एक तरीका था। उन्होंने सरला बहन की जीवनी का अंग्रेज़ी में अनुवाद भी किया, जिससे उनके विचारों और कार्यों को देश-विदेश तक पहुँचाने में मदद मिली। राधा दीदी के साथ मिलकर उन्होंने लक्ष्मी आश्रम के संचालन में भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उनकी दिनचर्या अत्यन्त अनुशासित थी। प्रतिदिन समय पर कार्यालय पहुँचना, आश्रम की छात्राओं को पढ़ाना और शाम को प्रार्थना में शामिल होना, यह सब उनके जीवन का अभिन्न हिस्सा था। पिछले कुछ समय से उम्र के कारण उनकी चाल थोड़ी धीमी हो गई थी, लेकिन अपने कामों के प्रति उनका समर्पण कभी कम नहीं हुआ।

डेविड भाई के पास अपने जीवन की यात्राओं, पहाड़ों और पर्यावरण से जुड़े

शेष पृष्ठ 2 पर

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय

रसोई गैस की मारामारी

देश-दुनिया में जब भी कोई संकट आता है तो उसका प्रभाव हर किसी पर होना स्वाभाविक है। ऐसे में संयमित रहना ही हमारी युक्ति होगा। देखने में आया है हर प्रकार से हम लोग हायतौबा करने लगते हैं। इसके लिये अपनी आवश्यकताओं पर नियन्त्रण जरूरी है।

केन्द्र सरकार की ओर से घरेलू गैस (एलपीजी) और पेट्रोलियम पदार्थों की कोई कमी न होने के लगातार दावों के बीच देशभर में हाहाकार मचा हुआ है। एलपीजी संकट के कारण एक तरफ होटल और रेस्टोरेंट उद्योग ठप होने के कगार पर पहुंच गया है तो दूसरी ओर घरेलू सिलेण्डरों के लिए गैस एजेंसियों पर लम्बी कतारें लग रही हैं। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और इसके परिणामस्वरूप गैस आपूर्ति में व्यवधान के बीच उत्तराखण्ड सरकार ने जरूरत की स्थिति में व्यावसायिक उपयोग के लिए लकड़ी उपलब्ध कराने की तैयारी की है। वन मंत्री सुबोध उनियाल ने भी कहा है कि एलपीजी की कमी की आशंका को नकारा नहीं जा सकता। इस स्थिति से निपटने के लिए वन विकास निगम को लकड़ी की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं ताकि गैस संकट बढ़ने की स्थिति में वाणिज्यिक गतिविधियों में इसका उपयोग वैकल्पिक ईंधन के रूप में किया जा सके।

कुमाऊं मण्डल विकास निगम की हल्द्वानी गैस सर्विस प्रदेश की बड़ी एजेंसी है, इसके तीस हजार उपभोक्ता है। पहले कॉमर्शियल सिलेण्डर में दिक्कत हो रही थी अब घरेलू गैस सिलेण्डर में भी परेशानी होने लगी है। इंडेन गैस की ऑनलाइन व ऑफलाइन बुकिंग ठप हो गई। एसडीएमएस पोर्टल भी ठण्डा पड़ गया। रुद्रपुर में भी सिलेण्डरों को लेकर हायतौबा देखने को मिली जब सुबह से लाइन में खड़े लोगों को सायं तक भी सिलेण्डर नहीं मिला। बाजपुर में वितरण के दौरान भारी हंगामा हो गया। काशीपुर में गैस एजेंसी का सवर डाउन से बुकिंग में दिक्कत हुई है। अन्य जगह भी ऐसा ही हो रहा है। ऐसे में जरूरी है कि हम अपने पर नियन्त्रण रखें। देखादेखी वह स्थिति न बनने दें जिससे अव्यवस्था फैले। जब दिक्कतों के दिन हों उस समय में समाधान के रास्ते तलाशना ही बेहतर है।

देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

युद्ध का असर, बाजार में डर का माहौल

इजराइल-ईराक युद्ध आ असर उत्पादन व आपूर्ति पर संकट के रूप में दिखाई दे रहा है। अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ी हैं और बाजार में डर का माहौल है। तनाव असर भारत के कई शहरों में वाणिज्यिक एलपीजी की किल्लत के रूप में भी है। मुम्बई सहित कई जगह होटल बन्द होने को हैं।

आईआरजीसी की चुनौती

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया पर में लगातार बढ़ते तनाव के बीच ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कोर (आईआरजीसी) ने कहा कि इस युद्ध का अन्त कब होगा, यह फैसला अमेरिका नहीं बल्कि हम करेंगे। साथ ही चेतावनी दी कि ईरान की सेनाएं क्षेत्र में ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित कर सकती हैं।

पीटर एल्बर्स ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन कम्पनी इण्डिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स ने इस्तीफा दे दिया। इण्डिगो पिछले तीन माह में अपने परिचालन में बड़े व्यवधान का सामना कर रही है। नए सीईओ की नियुक्ति तक एयरलाइन के प्रबन्ध निदेशक राहुल भाटिया अन्तरिम व्यवस्था के तहत कामकाज देखेंगे।

टैगोर पर लघु कथा 'शास्ति' फिल्म

कराची। पाकिस्तानी निर्माता आबिद मर्चेन्ट ने नोबेल पुरस्कार विजेता रविन्द्रनाथ टैगोर की 1893 की लघुकथा 'शास्ति' (सजा) पर आधारित एक अन्तर्राष्ट्रीय फिल्म की शुरुआत करने की घोषणा की है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना में पाकिस्तान, बांग्लादेश, अमेरिका, ब्रिटेन, हांगकांग और आस्ट्रेलिया के पेशेवर शामिल होंगे। फिल्म का निर्देशन बांग्लादेशी फिल्मकार लीसा गाजी करेंगी।

नेपाल : सबसे युवा पीएम बालेन्द्र

नेपाल में हुए आम चुनाव में युवा नेता बालेन्द्र शाह के नेतृत्व वाली आएपी की धमाकेदार जीत के बाद नेपाल के सबसे युवा और पहले मधेसी पीएम के रूप में बालेन्द्र विराजमान हुए हैं। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उन्हें बधाई दी।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त को काले झण्डे

कोलकाता। दक्षिण कोलकाता के प्रतिष्ठित कालीघाट मन्दिर में सुबह दर्शन को पहुंचे मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को वापस जाओ के नारों और काले झण्डों के साथ विरोध का सामना करना पड़ा। तृणमूल कांग्रेस कार्यताओं ने एसआईआर को लेकर यह विरोध किया।

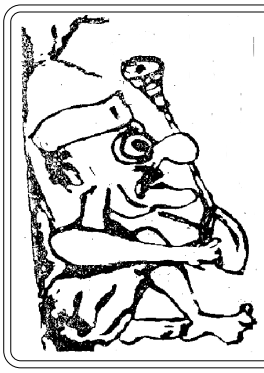

फसक

दाज्यू, आजकल ब्लॉगर बहुत फुरड़ी गये ठैरे

घर-कुड़ी सबकुछ चौबाट पर धर दे रहे हैं बल

दाज्यू, हमारे मोहल्ले में ब्लॉगर बौई गये हैं। महिला नेत्री रम्भा ने तमाशा मचा दिया है बल। वह कभी मुनमुन के घर जा रही है तो कभी हरप्रिया की दुकान में, लब्बू नेता के प्रचार के लिये भी जी-जान लगा रखी है और मोहल्ले के सीवर, पाइप, लाइट.....पूछो मत।

दाज्यू, रम्भा का क्या कसूर। पर्दे में रंगीन देखने की आदत के बाद दूसरा सबकुछ झुंझला ही लगता है। वैसे भी आजकल ब्लॉगर बहुत फुरड़ी गये ठैरे। किसका क्या, किसका क्या? घर-कुड़ी सबकुछ चौबाट पर धर दे रहे हैं बल। दाज्यू, भीखूमती का अपने पति से झगड़ा हो गया सिर्फ इस बात पर की खिचड़ी के साथ सलाद नहीं था। फिर क्या...आप जानने ही वाले हुए। 5-7 ब्लागर मोबाइल लेकर भीखूमती के घर घुस गये और चिल्लाने लगे- 'नारी सम्मान की बात है, आपको देश सुनना चाहता है, खिचड़ी के साथ सलाद न होना अन्याय है।' दाज्यू, यही सब होने लगा तो आने वाले दिनों में 70 प्रतिशत बेतहा-बेपरवाह और 20 प्रतिशत लोग कपड़याने को तैयार हो जाएंगे। न जाने कौन आकर किसका कुटान करने लगेगा। हल्द्वानी में दो महिला ब्लॉगर एक-दूसरे को कपड़याने को सड़क में उतर गईं। खूब गाली-गलौज भी हुई बल। पुलिस को शान्ति बनाए रखने के लिये उन्हें हिरासत में लेना पड़ा।

दाज्यू, कपड़योव के इस माहौल के बीच अपणी सरकार का बजट पास होते ही हमने कुम्भ स्नान की ठान ली है। धामी ज्यू बोल रहे हैं- 'बजट सिर्फ आंकड़ा नहीं समग्र विकास का दस्तावेज है।' विपक्ष है कि हंगामा बरपा रहा है। सदन में भी विरोध किया। यूकेडी वालों ने सड़क पर ही घमासान मचा दिया था। अगले साल चुनाव ही ठैरा तो सब उताड़ काट रहे हैं। दाज्यू, रुद्रपुर में तो बहुत ही गदरगोल होने लगा है बल। होली में भाजपा पार्षद के लाड़ले बेटे पर लगे छेड़छाड़, हाथापई व धारदार हथियार से हमला प्रकरण में मुकदमा दर्ज न होने पर नाराज पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल ने पीड़ित परिवार के साथ एसएसपी कार्यालय में प्रदर्शन किया। तीन बार तहरीर रिसीव हो चुकी है बल। मेडिकल कराने के बाद भी पुलिस फुस्स हो गई हो.....पता नहीं क्या हो हुआ होगा ऐसा। -तुम्हारा भुली झकरुवा

समाज के लिये.....

प्रथम पृष्ठ का शेष

टीम के गोलकीपर बनते थे। ह्यून (बर्फबारी) के दिनों में भी खेल का जुनून सभी खिलाड़ियों में था। बचपन की झुंझली यादों को ताजा करते हुए बताते हैं कि व्यापार और खेतीबाड़ी ही लोगों का जरिया था। चीन के साथ 1962 के युद्ध में जब तिब्बत व्यापार टूटा तब जोहार सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ। क्योंकि धारचूला के करीब नेपाल होने से और गढ़वाल में चारधाम यात्रा से व्यापार की गति प्रभावित होते हुए भी रुकी नहीं जबकि जोहार एकदम अलग-थलग हो गया था। सन् 1970 से 90 तक काफी लोग सेवाओं के लिये इधर-उधर गए। आरक्षण का यूपी में दो प्रतिशत लाभ था। पहाड़ की आर्थिक व्यवस्था तब भी मनीऑर्डर पर टिकी थी। जिन घरों में नौकरी-पेशा वाले थे, मनीऑर्डर भेजते थे।

समाज के उतार-चढ़ाव को जीने और महसूस करने वाले वृजवाल जी ने अपने साथियों के साथ 'जोहार सहयोग निधि' की कल्पना की और अल्मोड़ा में सौ-सौ रुपये प्रतिमाह जमा करते हुए एक निधि बनाई। 2004 में जोहार सहयोग निधि अल्मोड़ा नाम से संस्था का सहकारिता एक्ट में रजिस्ट्रेशन भी करवा लिया गया। यह संस्था आज कीर्तिमान के रूप में खड़ी है जिसमें दो करोड़ से अधिक की राशि होगी। इसके द्वारा मेधावी विद्यार्थियों को सहयोग के अलावा जरूरतमंदों को अवसर के अनुरूप हाथ बंटाया जाता रहा है। अल्मोड़ा में संस्था का अपना भवन होना भी सुखद है। शुरुआत में जोहार सहयोग निधि कार्यालय के लिये किराए पर कमरा लिया गया था जिसका किराया भी इसके संचालक स्वयं ही अपनी-अपनी ओर से देते थे। आज इस निधि का एक बड़ा आकार होना बताता है कि कितनी दौड़भाग इसके लिये हुई थी, जो आज भी है।

श्री वृजवाल के सामाजिक कार्यों में इनके परिवार का हरदम सहयोग रहा है। इनका विवाह गीता देवी से हुआ। हिमनगरी मुन्स्यार के दुकानदार गोविन्द सिंह पांगती व श्रीमती इन्द्रा देवी घर जन्मी श्रीमती गीता 6 बहनें व 2 भाई हैं। इस परिवार के अरविन्द पांगती संयुक्त सचिव, हरीश पांगती मर्चेन्ट नेवी में हैं। त्रिलोक सिंह जी की अगली पीढ़ी को देखें तो इनकी सुपुत्री प्रीति रावत नोएडा में हैं, जमाई श्री नवीन सिंह रावत कस्टम में हैं। वृजवाल जी के सुपुत्र राजेश सिंह और मनीष सिंह वृजवाल हैं। अपने घर और समाज में सयाने की भूमिका श्री टीएस वृजवाल में हमेशा से सुमार होना बताती है कि वह कितनी कर्मठता से तल्लीन रहते हैं। उनकी यही निरन्तरता उन्हें भीड़ से अलग करती है और दूसरों को भी प्रेरणा देती है कि किसी भी स्थिति में कर्मशील रहना है।

डेविड दम्पत्ति के बीच लेखक

डेविड.....

प्रथम पृष्ठ का शेष

अनुभवों का एक बड़ा खज़ाना था। उनके यात्रा संस्मरण और पर्यावरण से जुड़े नोट्स अत्यन्त ज्ञानवर्धक हैं। अफसोस है कि उनका पूरा उपयोग अभी तक नहीं हो पाया।

आज जब वे हमारे बीच नहीं हैं, तो लगता है जैसे पहाड़ों ने अपना एक सच्चा मित्र खो दिया है। कौसानी की हवा, लक्ष्मी आश्रम का आँगन और शाम की प्रार्थना, इन सबमें शायद अब भी उनकी सादगी और शान्त मुस्कान की स्मृति हमेशा जीवित रहेगी।

डेविड भाई चले गए, लेकिन पहाड़ों के प्रति उनका प्रेम, उनकी सादगी और उनका समर्पण आने वाली पीढ़ियों को हमेशा प्रेरित करता रहेगा।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

जोहार सहयोग निधि वार्षिक बैठक

युवाओं को योजना से जोड़ने का प्रस्ताव

निदेशक मण्डल व नई कार्यकारिणी गठित, टी.एस. बृजवाल अध्यक्ष, जोहार सिंह गनघरिया महासचिव

पि.हि.प्रतिनिधि

हल्द्वानी। जोहार सहयोग निधि अल्मोड़ा संस्था की वार्षिक बैठक जोहार मिलन केन्द्र हल्द्वानी मे आयोजित हुई। श्रीराम सिंह धर्मशाक्तू अध्यक्ष मल्ला जोहार विकास समिति मुनस्यारी की अध्यक्षता में हुई इस बैठक के मुख्य अथिति नरेन्द्र सिंह जंगपागी प्रधान आयुक्त आयकर एवं अध्यक्ष जोहार केन्द्रीय शोका समिति, विशिष्ट अथिति डॉ. नारायण सिंह पांगती, देवेन्द्र सिंह धर्मशाक्तू, भूपेन्द्र सिंह पांगती, सत्यवान सिंह जंगपागी, गोविन्द सिंह जंगपागी, त्रिलोक सिंह बृजवाल अध्यक्ष जोहार सहयोग निधि ने दीप प्रज्ज्वलित कर इसका शुभारम्भ किया।

वार्षिक बैठक में सहयोग निधि की शुरुआत से लेकर वर्तमान तक के सफर पर चर्चा के बाद नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। इसमें निदेशक मण्डल में देवेन्द्र सिंह धर्मशक्तू, मोहन सिंह मर्तोलिया, सत्यवान सिंह जंगपांगी, भगवान सिंह रावत हैं। जबकि कार्यकारिणी में त्रिलोक सिंह बृजवाल अध्यक्ष, पूरन सिंह पांगती उपाध्यक्ष, इन्दिरा गनघरिया महिला उपाध्यक्ष, जोहार सिंह गनघरिया महा सचिव, उपसचिव- दिग्विजय सिंह रावत, दिनेश सिंह मर्तोलिया, कोषाध्यक्ष- प्रहलाद सिंह जंगपांगी, उप कोषाध्यक्ष- गोकर्ण सिंह मर्तोलिया, आडिटर- बेणी सिंह बरफाल सर्वसम्मति से चुने गये।

इससे पहले वार्षिक बैठक में मोहन सिंह मर्तोलिया निदेशक जोहार सहयोग निधि द्वारा सभी सदस्यों को सहयोग निधि के पिछले बैठक मे हुए कार्यवाही से अवगत कराया तथा प्रहलाद सिंह जंगपागी कोषाध्यक्ष ने निधि के वित्तीय वर्ष 2024-25 और 31 दिसम्बर 2025 के वित्तीय स्थिति को सभी सदस्यों को अवगत कराया। उनके द्वारा सभी सदस्यों के जमा राशि व्याज सहित सूची भी जारी कर सदस्यों से अपने खातों की दिसम्बर 2025 के शेष राशि साथ ही सहयोग निधि जमा एवं ऋण राशि से भी अवगत कराया। उनके द्वारा सहयोग निधि द्वारा अपने शौका सदस्यों एवं आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को दिये गये सहायता राशि को भी विस्तार से अवगत कराया। बैठक में उपस्थिति सदस्यों ने अपने सुझाव व शिकायत को प्रकट किया।

देवेंद्र सिंह धर्मशक्तू ने कहा कि सभी सदस्यों को सदस्यता राशि एवं व्याज सहित को समय-समय पर जानकारी दिया जाना चाहिए कि कितना व्याज अर्जित है और उसका का 50प्रतिशत सदस्यों के बैंक खातों मे जमा किया जाना चाहिए, ताकि सदस्यों को कुछ तो रिटर्न्स मिल सके जिससे सदस्यों को सन्तुष्टि मिले। कहा कि सहयोग निधि को पारदर्शिता लानी चाहिए तथा जो सदस्य अपनी सदस्यता राशि लिखित रूप मे वापसी चाहते तो उनके धनराशि को शीघ्र दिया जाना चाहिए, इसमें देरी होने के कारण सदस्यों के मन में आशंका बनी रहती है। इसी क्रम में भूपेन्द्र सिंह पांगती ने कहा कि सदस्यों की समस्या पर विस्तार से वार्ता होनी चाहिए। सहयोग निधि द्वारा निर्धन गरीब छात्रों को दी जा रही आर्थिक सहायता की प्रशंसा करते हुए सुझाव दिया कि यदि विधार्थी शिक्षा प्राप्त कर रोजगार कर रहा हो तो उसे सहयोग राशि को अपने आय श्रोत से निधि को जमा कराने हेतु कहा जाए।

श्री मोहन सिंह मर्तोलिया ने अवगत कराया कि सहयोग निधि के द्वारा आर्थिक सहायता प्राप्त विधार्थियो से सक्षम होने पर उनको दी गये राशि को वापस कराने का अनुरोध किया जाता रहा है। डॉ. नारायण सिंह पांगती ने सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि जेएसएस लखनऊ ने सभी शौकाओं को जोड़ने का कार्य किया था तो वित्तीय संसाधनों से शौकाओं को एकजुट करने का कार्य सहयोग निधि कर रही है। कहा, आज केन्द्रीय बजट प्रस्तुत किया जा रहा है तो निधि मे अपने वित्तीय स्थिति और इसमे रहा रहे कमियों को सुधार हेतु बैठक कर विचार विमर्श नवयुवको को इस से कैसे जोड़ा जाय इस पर भी विचार व प्रयास कर रही है जो बहुत अच्छी बात है। श्री पांगती ने सुझाव दिया कि वर्तमान वर्ष मे कितने सदस्य को जोड़ा और कितने सदस्यों ने सहयोग निधि से सदस्यता छोड़ी इसका विस्तृत जानकारी दी जानी चाहिए। सहयोग निधि द्वारा सदस्यों को दी गई ऋण की सूची और डिफाल्टर सूची भी दी जानी चाहिए। सदस्यता राशि पर मिलने वाली व्याज को सदस्यों को भुगतान किया जाना चाहिए जिससे सहयोग निधि पर लोगो का विश्वास बना रहेगा।

सत्यवान सिंह जंगपागी अवगत कराया की संस्था आर्थिक रूप से गरीब लोगों को शिक्षा, स्वरोजार, आपदा प्रभावितों को सहायता प्रदान करती आयी है। सहयोग निधि सदस्यों को किफायती दरों पर ऋण उपलब्ध कराती है। अवगत कराया कि निधि के खातों का ऑडिट प्रति वर्ष होता है। उन्होंने सभी से अनुरोध किया कि सहयोग निधि का सहयोग करें। मोहन सिंह मर्तोलिया ने अवगत कराया कि निधि के खातों का अद्यतन अल्मोड़ा कार्यलय मे किया जाता है। प्रारम्भिक दौर मे नरेन्द्र सिंह जंगपागी, बेनी सिंह बरफाल द्वारा बहुत सी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई, मिलजुल कर कार्य किया।

बैठक में लक्ष्मण सिंह लसपाल ने सुझाव दिया कि जिन लोगो को शिक्षा के आर्थिक सहायता दी गई है उन्हें स्वेच्छा से ऋण वापसी किया जाना चाहिए तथा उन पर आगे ब्याज नहीं लगाना चाहिए। चूंकि सहयोग निधि शौकों के 19 गर्खा के कमजोर आर्थिक विधार्थियो को आर्थिक सहायता, स्वास्थ सुविधा और आपदा प्रभावितो को सहायता उपलब्ध करा रही। तथा सदस्ता राशि रु 25000/- के विरुद्ध रु 1.00 लाख ऋण दिया जाना तो किस अनुपात से दिया जा रहा है।

भरत सिंह रावत ने अवगत कराया कि सहयोग निधि गठन मे थोड़ा सहयोग मेरे द्वारा भी किया गया, निधि का नारा सेवा, सहयोग, सदभाव मेरे सलाह पर ही अपनाया गया। सहयोग निधि प्रदेश सरकार की साहकारिता अधिनियम की तहत पंजीकृत है, तो निधि को साहकारिता अधिनियम की तहत सदस्य बनाना, ऋण देना, डिफाल्टर होने पर कानूनी कार्यवाही करने का अधिकार प्राप्त है। प्रमोद सिंह पांगती ने सहयोग निधि के कार्यों को सराहते हुए कहा इसने शौका समुदाय को ही सहायता किया जाना चाहिए। जिन सदस्यों को पूर्व मे ऋण दिया गया है, डिफाल्टर होने पर पुनः ऋण नहीं दिया जाना चाहिए। 140 सदस्यों का कम होना क्यों हट गये विचार किया जाना चाहिए। महेश सिंह धर्मशाक्तू ने सुझाव दिया कि ऋण सुविधा बन्द किया जाना चाहिए। चुकी कुछ सदस्य अपने स्वार्थवश अपने व्यक्तिगत लाभ बार-बार ऋण लेकर गलत फायदा लें रहे है, इस प्रकार के प्रवृत्ति को दृष्टिगत रखते हैं। मोहन सिंह मर्तोलिया ने बताया कि ऋण के आवेदन आने पर शीघ्र विचार कर आवश्यकता के अनुसार प्रदान किया जाता है। मनोहर सिंह पांगती ने कहा कि सदस्यों को सहयोग निधि को होने वाले लाभ मे से भी हिस्सा क्यों नहीं दिया जाता है? इससे संस्था के कार्यों पर अविश्वास पैदा हो रहा है। मुनस्यारी स्थिति गौशाला मे संस्था द्वारा दिये गये आर्थिक राशि का क्या मामला है बताया जाना चाहिए। संस्था द्वारा दिये गये ऋण की विस्तृत जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई है। डिफाल्टर सदस्यों की सूची भी दिया जाना चाहिए। ऋण दिये जाने पर कोई लिखित प्रमाण ऋणी और गारंटरों से अवश्य लिया जाना चाहिए ताकि कानूनी कार्यवाही मे परेशानी न हो। उन्होंने यह भी कहा कि अल्मोड़ा मे स्थिति भवन बनाया गया है, लीज की क्या स्थिति है और उस भवन से कोई आय का श्रोत है या नहीं, स्पष्ट किया जाना चाहिए। साथ ही ऋणी के मृत्यु होने या आर्थिक स्थिति ख़राब होने पर ऋण वसूली पर सहानुभूति पूर्वक विचार किया जाय। इस सम्बन्ध मे पूरन सिंह पांगती जो संस्था के उपाध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि गौशाला मे दिया गया धनराशि सदस्यों के द्वारा लिखित मे दिये गये 50प्रतिशत व्याज राशि दिया गया है। मुनस्यारी गौशाला एक एनजीओ चलाती है इसमें संस्था का काई दखल नहीं है। ऋण स्वीकृति का कार्य नियमानुसार निर्धारित आवेदन पत्र एवं आवश्यक प्रमाण ऋणी एवं गारंटर से ली जाती है। संस्था द्वारा सभी कार्य पारदर्शिता से कर रही है। उन्होंने सभी सदस्यों से अधिक से अधिक शौका सदस्य अपने परिवार के सदस्यों को सदस्य बना कर जुड़ने का अनुरोध किया।

बैठक में नाथ सिंह जंगपागी ने जानना चाहा कि किन कारणों से अनुरोध किये सदस्यों को उनकी सदस्यता राशि मय व्याज सहित भुगतान नहीं किया जा रहा है। मृतक सदस्य की सदस्यता राशि उनके परिवार को शीघ्र दिया जाय, इस प्रकार मानवीय कार्यों को भी समय से निस्तारित किया जाए। इस पर मोहन मर्तोलिया अवगत कराया की मृतक सदस्य के धनराशि को उनके परिवार को भेजा जा रहा है। प्रेम सिंह बरफाल ने कहा की सहयोग निधि के कार्य सराहते हुए सुझाव दिया कि संस्था को आय बढ़ाने के ऋण देना आवश्यक है। ऋण राशि बढ़ाया जाना चाहिए। गारंटर परिवार के एक सदस्य का लिया जाना चाहिए। ऋण डिफाल्टर एवं गारंटर को नोटिस समय से दिया जाय और ऋण वसूली के लिए टीम बनायी जाए और अन्ततः कानूनी कार्यवाही किया जाए। मोहन सिंह मर्तोलिया जी कहा कि श्री बरफाल के सुझाव पर अवश्य विचार किया जायेगा।

त्रिलोक सिंह बृजवाल अध्यक्ष जोहार सहयोग निधि ने सभी उपस्थिति सदस्यों का स्वागत करते हुए अपने परिवार के बच्चों को सदस्य बनाने का अनुरोध किया। बताया कि वह इस संस्था से 22 साल से जुड़े हैं और कलेक्शन अमीन कि तरह कार्य करते रहे हैं। कुछ आर्थिक परिस्थिति समस्या आने के कारण ऋण डिफाल्टर हो जाते है, प्रयास किया जा रहा है जल्दी ही वसूली हों जाएगी। उन्होंने सभी सदस्यों से सहयोग करने का अनुरोध किया। मुख्य अतिथि नरेन्द्र सिंह जंगपागी ने अवगत कराया कि जोहार सहयोग निधि का गठन दिनांक 4 फरवरी 2001 को हुआ था जो अब रजत जयन्ती वर्ष पूरा होने जा रहा है। इसको रजत जयन्ती के रूप मे मनाया जाना चाहिए। कहा आम वार्षिक बैठक मे आम सदस्यों एवं पदाधिकारियो के मध्य वार्ता होनी चाहिए जो सार्थक भी हुआ है। समाज के लिए सकारात्मक वार्ता होनी चाहिए। पारदर्शिता के साथ निस्वार्थ भाव से

शेष पृष्ठ 5 पर

ज्योतिष की बातें- 273

26 मार्च 2026 को शुक्र अपनी उच्चराशि को छोड़कर समराशि मेष में प्रवेश करेगा जहाँ पर कोई शुभाशुभ दृष्टि भी नहीं होगी अतः शुक्र सामान्य बली रहेगा। मन्त्रेश्वरकृत फलदीपिका के अनुसार शुक्र छठवें, सातवें और दसवें स्थान पर अशुभ होता है अन्य सभी नौ स्थानों पर शुभफल प्रदान करता है तथा मकर और कुम्भ राशियों के लिए योगकारक भी होता है। अतः अगले 24 दिन शुक्र सांसारिक सुख, जीवनसाथी, दाम्पत्य जीवन, कामेच्छा, काव्य, सौन्दर्य, नेत्र, वाहन, भोग, धन, वस्त्र, आभूषण, रत्न आदि अपने कारक विषयों में मेष, वृषभ, मिथुन, सिंह, कन्या, धनु, मकर, कुम्भ व मीन राशि के जातकों को शुभफल प्रदान करेगा।

रामनवमी- चैत्र शुक्ल नवमी मध्याह्न व्यापिनी तिथि में रामनवमी का पर्व मनाया जाता है। दोनों दिन व्याप्ति अथवा अव्याप्ति की स्थिति दूसरे दिन रामनवमी का पर्व मनाया जाता है । अतः गुरुवार 26 मार्च 2026 को रामनवमी का पर्व मनाया जाएगा ।

शुभं भवतु !!

-ओंकार नाथ कोष्टा
ज्योतिर्विद् एवं आयुर्विद्

सम्यक् विचार- 161

अबूझ मुहूर्त पाखण्ड

आजकल अधिकांश लोगों ने अपने शुभकार्यों का मुहूर्त पूछने के लिए ज्योतिषी के पास जाना ही बन्द कर दिया है क्योंकि लोग किसी त्योहार पर ही, अबूझ मुहूर्त समझकर, गृहप्रवेश आदि शुभकार्य करने लगे हैं।

1. कुछ लोग सोचते हैं कि चैत्र नवरात्रि में ही सारे शुभ काम निपटा लें। लेकिन इस अवधि में प्रायः सूर्य मीन राशि में अर्थात् खरमास होता है, इसलिए सभी शुभकार्य वर्जित होते हैं।
2. कुछ लोग गणेश चतुर्थी को शुभ मानते हैं लेकिन चतुर्थी रिक्ता तिथि होने से शुभ कार्यों के लिए वर्जित मानी गई है।
3. कुछ लोग रामनवमी के दिन गृह प्रवेश आदि शुभकार्य करने के लिए तत्पर रहते हैं जबकि नवमी तिथि भी रिक्ता तिथि होने के कारण शुभ कार्यों में वर्जित होती है।
4. कुछ लोग शिवरात्रि में भी गृह प्रवेश आदि शुभकार्य कर लेते हैं जबकि कृष्णपक्ष की चतुर्दशी तिथि सभी कार्यों में वर्जित होती है।
5. विजयादशमी के दिन तो लोग जानबूझकर जमकर शादियाँ करते हैं जबकि चातुर्मास में विवाह, यज्ञोपवीत आदि वर्जित होते हैं।
6. कुछ लोग तो दीपावली में भी शुभकार्य कर लेते हैं जबकि अमावस्या तिथि समस्त शुभकार्यों में पूर्णतः वर्जित होती है।

इस प्रकार हम देखते हैं कि हमारे जितने भी पर्व, त्योहार होते हैं उनमें अवश्य ही कोई न कोई पंचांग सम्बन्धी अशुद्धि होती है। व्रत-पर्व वास्तव में भगवान के ध्यान पूजन के लिए होते हैं न कि लौकिक शुभकार्यों के लिए। पहले साड़े तीन मुहूर्तों को अबूझ मुहूर्त माना जाता था फिर धीरे-धीरे बढ़ते हुए अब तीस मुहूर्तों को, लगभग सभी व्रत-पर्वों को अबूझ मुहूर्त माना जाने लगा।

वर्तमान में फैले इस पाखण्ड का हमें अवश्य ही खण्डन करना चाहिए क्योंकि अबूझ मुहूर्त के अशास्त्रीय प्रचलन के कारण मुहूर्त शास्त्र का सत्यानाश हो रहा है।

-ओंकार नाथ कोष्टा

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

सरकार बहादुर! आत्मनिर्भरता के लिये बने भवन उजाड़ हो चुके हैं। इन भवनों को धरोहरों के रूप में संवारना जरूरी है

पि.हि.प्रतिनिधि

आत्मनिर्भरता का खूब ढोल बज रहा है लेकिन सच्चाई यह है कि हम अपनी उन धरोहरों को ही नहीं संभाल पा रहे हैं जिनसे वास्वत में आत्मनिर्भरता का सपना साकार हुआ था। सरकार बहादुर! आत्मनिर्भरता को जड़ों को संरक्षित करवाने में आगे आओ। एक उदाहरण सीमान्त क्षेत्र मुनस्यारी का ही ले लेते हैं। जहाँ सदियों से हथकरघा उद्योग भेड़ पालन अन्य जानवरों पशुओं को अपने यातायात और अन्य खेतीबाड़ी के प्रयोग में इस्तेमाल करते आ रहे हैं और उन्हें कारोबार में आत्मनिर्भर और अनेक स्थानों पर मेले के समय पर सामग्री ले जाते थे जैसे की बागेश्वर, थल, जौलजीवी आदि स्थानों पर ले जाते थे और काफी संख्या में लोग खरीदारी करते थे, तिब्बत के साथ भी व्यापार चलता था तिब्बती ऊन पसमीना का कारोबार सुचारू रूप से चलता रहता था और वर्तमान में भी कार्य करते आ रहे है परन्तु कम तादाद में उपरोक्त इन्डस्ट्रीज की भूमि में जो कार्य किया जाता रहा है। मल्ला जोहार विकास समिति के अध्यक्ष श्रीराम सिंह धर्मशक्तू बताते हैं कि जो भवन इन्डस्ट्रीज की भूमि पर बनाया गया है उस समय के कारोबारी और जो अधिकारीगण थे पूरी लगन निष्ठा के साथ कार्य करते थे, काफी संख्या में महिलाएं आया-जाया करते थे ऊन की धुनाई और अन्य कार्य सुचारू रूप से चलता था। आज उक्त भूमि पर जो भवन उस वक्त के बने हुए हैं उसकी हालत बदरंग होती जा रही है। पूरे मुनस्यारी

क्षेत्र के लोग, बाहर से आने वाले लोग देख रहे हैं यह स्थिति सीमान्त क्षेत्र की बनी हुई है शासन प्रशासन के तरफ से किसी प्रकार की कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है, जिस कारण से उक्त भूमि पर आवारा जानवरों का अड्डा बना हुआ है, भवन गिरने के कगार पर है।

श्री धर्मशक्तू बताते हैं कि इस भवन में जब पूर्व प्रधानाचार्य स्व. विपिन चन्द्र जोशी इण्टर कालेज मुनस्यारी के प्रधानाचार्य के पद पर कार्य करते थे 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस पर जब अत्यधिक वर्षा होती थी तो इसी भवन के अन्दर सांस्कृतिक कार्यक्रम चलता था और हम लोग भी अपने विद्यार्थी जीवन में संस्कृति कार्यक्रम में भागीदारी निभाते थे। पुराने जो लोग अभी जीवित है उन बुद्धिजीवियों को अच्छी तरह से विदित होगा आज क्या स्थिति बनी हुई है इन्डस्ट्रीज की भूमि, मकान की और जो कार्य चल रहा है वह देखने लायक ही है। ऐसे में अब यह भूमि धीरे-धीरे किसी और के कब्जे में होगा अतिक्रमण होगा और शासन प्रशासन के लोग अपनी आँखों को कानों को बन्द करके बैठे हुए हैं वह सब कुछ देखते हुए अनजान बन रहे हैं। इस प्रकार से इन्डस्ट्रीज की भूमि जिस जो की सामूहिक स्वास्थ्य केन्द्र के पीछे में है उस भूमि में भी क्लस्टर उद्योग भवन का निर्माण किया जा रहा था उसकी दशा भी किसी से छिपी नहीं है। वहाँ पर भी अतिक्रमण किया गया कुछ लोगों ने उस भूमि को भी पुनः किसी आदमी को बेच दिया थोड़ी बहुत भूमि पर जो निर्माण कार्य चल रहा था वह कई सालों से बन्द पड़ी है बजट के अभाव से प्रदेश सरकार की अनदेखी और बड़ी-बड़ी बातें जो प्रदेश के मुखिया मुख्यमंत्री जी समय-समय पर अपनी भाषणों में जनता को अवगत करते रहते हैं सीमान्त क्षेत्र में विकास की नदियां बह रही है, करोड़ों रुपया दिया जा रहा है यह सब कहने वाली बात है। हमारे सीमान्त क्षेत्र के लोग यह सब चीज देख रहे हैं कि इस प्रकार से डानाधार में आर्टिफिशियल रॉक क्लाईबिंग का निर्माण जो कई लाख रुपया खर्च करने के बाद भी पूरा नहीं किया गया उसकी दशा सब जान चुके हैं। बताली फार्म के अन्दर जो महान अन्वेषक पंडित नैनसिंह रावत माउंटेनियरिंग ट्रेनिंग की बिल्डिंग का निर्माण कार्य चल रहा था उसकी भी स्थिति आप सब लोग देख ही सकते हैं कि सीमांत क्षेत्र में क्या विकास कार्य हो रहा है चाहे वह मुनस्यारी में या सीमान्त क्षेत्र मल्ला जोहर के 14 राजस्व गाँव में क्या स्थिति बनी हुई है। लोग पलायन क्यों हो रहे हैं, खेत खलिहान क्यों खाली हो रहे हैं, जंगली जानवरों से लोग भयभीत हो रहे हैं, खेती-बाड़ी बंजर भूमि में परिवर्तित हो रहे हैं, जंगलों का विनाश दिन प्रति होते जा रहा है, जंगलों का सफाया कीमती पेड़ों को अवैध रूप से काटा जा रहा है। यही स्थिति बनी रही तो वह दिन दूर नहीं जब यह पूरा सीमान्त क्षेत्र रेगिस्तान में परिवर्तित हो जाएगा, लोगों को पीने के लिए पानी नहीं मिलेगा, स्वच्छ हवा नहीं मिलेगी, जंगलों में पेड़ पौधे नहीं होंगे हाहाकार मचेगा यह सब चीज को देख रहे हैं। सरकार बहादुर, चाहे प्रदेश सरकार हो या केन्द्र सरकार सब जानती है परन्तु धरातल पर जो कार्य होना चाहिए था वह ना के बराबर है।

मल्ला जोहार विकास समिति के अध्यक्ष व वरिष्ठ समाजसेवी श्रीराम सिंह धर्मशक्तू ने लोगों से आह्वान किया है कि अपने सीमान्त क्षेत्र को सुरक्षित रखने में एकजुटता से कार्य करें। आपसी मतभेदों को भूल करके, राजनीति के चक्कर में ना आकर के क्षेत्र के विकास के लिए, पुनर्वास के लिए, पलायन को रोकने के लिए एक बैनर के तले कार्य करने में जुटें। इसी मुनस्यारी हिमनगरी क्षेत्र सारा संसार एक मुनस्यारी जो कहावत है वह सदियों सदियों तक जीवित रहेगा।

नैनीताल में रात 11 बजे दुकान बन्द कराने का विरोध

नैनीताल। पर्यटन नगरी में रात 11 बजे बाद पुलिस प्रशासन द्वारा बाजार बन्द बराने का व्यापारियों ने विरोध किया है। मल्लीताल व्यापार मण्डल के नेतृत्व में सैकड़ों व्यापारी कोतवाली पहुंचे और पुलिस प्रशासन को ज्ञापन सौंपते हुए देर रात तक दुकानों को संचालित करने की अनुमति देने की मांग की।

व्यापारियों का कहना है कि नैनीताल पूरी तरह पर्यटन पर अधारित शहर है और यहाँ का अधिकांश कारोबार पर्यटकों पर निर्भर करता है। इन दिनों शहर में पर्यटकों का आना जारी है लेकिन पुलिस प्रशासन द्वारा बाजार बन्द कराने से व्यापारियों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। व्यापार मण्डल अध्यक्ष किशन नेगी ने कहा कि आने वाले पर्यटक दिनभर घूमने के बाद देर रात बाजार में खरीददारी और खान-पान के लिये निकलते हैं। ऐसे में प्रशासन को विचार करना चाहिए।

परिक्रमा

प्राधिकरण सचिव के निर्देश भवनों का जेई करेंगे सर्वे

हल्द्वानी। नैनीताल जिले के पर्वतीय क्षेत्र विशेषकर मुक्तेश्वर, नैनीताल व भीमताल में हो रहे अन्धाधुन्ध निर्माण की जाँच को जिला स्तरीय विकास प्राधिकरण सचिव ने निर्देश दे दिये हैं। इसमें नैनीताल और भीमताल के 6 जेई भवनों का सर्वे करेंगे। इन सर्वे में निर्माणाधीन भवनों की अनुमति, स्वीकृत मानचित्र के अनुसार निर्माण की जाँच की जाएगी। यदि कोई स्वीकृत मानचित्र के विपरीत निर्माण करता मिला तो नियमानुसार उक्त भवन का चालान या सील किया जाएगा। हो रहे बेसुमार निर्माणों की शिकायत मिले के बाद डीडीए सचिव ने सख्त रुख अपनाया है। इससे पहले मण्डल आयुक्त दीपक रावत ने मुक्तेश्वर क्षेत्र का निरीक्षण करते हुए बहुमंजिला इमारतों के निर्माण को लेकर हैरानी जताई थी। उन्होंने निर्माणाधीन भवनों की अनुमति व निर्माण मानकों व बाहर से हो रहे संचालन की जाँच के लिये कहा था।

बग्गा चौवन राजस्व गांव बनाया जाए

खटीमा। विधानसभा बजट सत्र के दौरान विधायक भुवन चन्द्र कापड़ी ने बग्गा चौवन को राजस्व गांव घोषित करने की मांग की। कहा कि बग्गा चौवन के ग्रामीण लम्बे समय से राजस्व ग्राम का दर्जा दिये जाने की मांग कर रहे हैं। इससे इन्हें सरकारी योजनाओं और मूलभूत सुविधाओं का लाभ मिल पाएगा।

हिमालयन कल्चरल कार्निवल में उत्तरपूर्वी राज्यों की धूम रहेगी

पिथौरागढ़। प्रदेश का पहला हिमालयन कल्चरल कार्निवल की तैयारी है। जम्मू कश्मीर से लेकर पूर्वोत्तर तक के सभी राज्य इसमें भाग लेंगे। यह कार्निवल हिमालयी संस्कृति को एक मंच पर प्रस्तुत करेगा। उत्तरपूर्वी राज्यों की धूम के लिये हो रही तैयारियों के बीच जिलाधिकारी आशीष भटगोई की अध्यक्षता में हुई बैठक में विभिन्न समितियों का गठन कर जिम्मेदारी का निर्देश दिया गया। मौसम की अनुकूलता को ध्यान में रखते हुए अक्टूबर में आयोजन का प्रस्ताव किया गया। जिसे देवसिंह मैदान और रामलीला मैदान में किया जाएगा। इसमें साहसिक पर्यटन पर जोर रहेगा।

गैस सिलेंडरों की मार के बीच यात्रा और पर्यटन सीजन में असर

हल्द्वानी/चम्पावत। व्यावसायिक गैस सिलेण्डरों के उपयोग पर प्रतिबन्ध के कारण यात्रा और पर्यटन सीजन पर सीधा असर होने लगा है। इन दिनों पूर्णागिरी का मेला अपने चरम पर है लेकिन होटल-रेस्टोरेंट में ईंधन-ऊर्जा की कमी का हवाला दिया जा रहा है। प्रशासन द्वारा व्यवस्था बनाए रखने व कालाबाजारी रोकने के बराबर दावे हैं लेकिन सच्चाई यह है कि पश्चिम एशिया में चल रहे लगातार हमलों का असर किसी न किसी रूप में है। पर्यटन सीजन के बहाने रोजी-रोटी करने वालों को भी चिन्ता सताने लगी है कि यदि गैस सिलेण्डर तेल आवश्यक चीजों में रोक होगी तो आने वाले दिनों में दिक्कत का सामना करना पड़ेगा। पर्यटन व्यवसाय में प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े सैकडों लोग चिन्तित हैं।

भूकम्प चेतावनी सेंसर स्थापित

गैरसैंण। प्रदेश में भूकम्प चेतावनी प्रणाली (ईईडब्लूएस) के तहत 169 सेंसर स्थापित किए गए हैं। वर्तमान में ये सभी संचालनशील हैं। संसदीय कार्यमंत्री सुबोध उनियाल ने यह जानकारी कांग्रेस के काजी निजामुद्दीन द्वारा विधानसभा सत्र में पूछे गए एक अल्पसूचित प्रश्न के उत्तर में दी। बताया इस पर 115 करोड़ रुपए व्यय हुआ।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

सोमेश्वर के विकासखण्ड ताकुला का लेखाजोखा बता रहा है सच्चाई, सूपाकोट में ढेला भर काम नहीं

अल्मोड़ा। विकास खण्ड ताकुला में वर्ष 2020-21 से वर्ष 2024-25 तक की अवधि में विधायक निधि से स्वीकृत 466 कार्यो में से 15 कार्य अपूर्ण हैं जबकि 24 कार्य शुरु ही नहीं हुए हैं। 2020-21 में स्वीकृत ढाई लाख (2-50) लागत की ग्राम सूपाकोट में कसाण (कासिण) मन्दिर में सौन्दर्यीकरण के कार्य हेतु अब तक 1,49,822/- व्यय हो चुका है लेकिन धरातल पर ढेले भर का कार्य नजर नहीं आया है ।

आरटीआई कार्यकर्ता रमेश चन्द्र पाण्डे ने गत माह 26 फरवरी को एक योजना के कार्य की प्रगति के निरीक्षण हेतु सूपाकोट गाँव पहुँचे बीडीओ केशर सिंह बिष्ट का ध्यान इस इस ओर आकृष्ट करते हुए उनसे सभी अपूर्ण कार्यो को जवाबदेही के साथ पूर्ण कराने की मांग की ।

बताते चलें कि ग्राम सूपाकोट के मूल निवासी रिटायर्ड असिस्टेंट आडिट आफिसर रमेश चन्द्र पाण्डे ने कुछ माह पूर्व खण्ड विकास समिति के गत कार्यकाल में सम्पन्न बैठकों के कार्यवृत्त के साथ ही विभिन्न मदों में स्वीकृत योजनाओं के आय व्यय के ब्यौरे की सूचना मांगी थी जिसके जवाब में लोक सूचना अधिकारी द्वारा उन्हें 574 पृष्ठ की सूचना दी गई थी।

श्री पाण्डे के अनुसार ग्राम सूपाकोट में कासिण मन्दिर के सौन्दर्यीकरण हेतु वर्ष 2020-21 में 2-50 लाख की स्वीकृति के सापेक्ष सर्वप्रथम 24 अक्टूबर 2021 को चालान द्वारा 65,118 का आहरण किया गया और कार्यपंजिका में 5166 की रायल्टी और 1292 की खनिज अंशदान जमा दर्शित है। इसके तीन साल बाद 15 जुलाई 2025 को पुनरू 70,027 का आहरण किया गया और 3612 की रायल्टी, 3612 अतिरिक्त रायल्टी, 72 स्टाम्प ड्यूटी, 361 क्षतिपूर्ति एवं 542 डी एम ए में व्यय दर्शित है। इस प्रकार स्वीकृत 2-50 लाख मध्ये अब तक कुल व्यय 1,49,822 दर्शाया गया है । कार्यपंजिका में दर्शित उक्त व्यय के सापेक्ष धरातल पर अपेक्षित कार्य नहीं होने के कारण लोगों के बीच उक्त मामले को लेकर नाराजगी भरी चर्चा हो रही है।

श्री पाण्डे ने बताया कि कार्यस्थल में पहुँचने पर उन्हें कुछ बजरी के ढेर और सैट हो चुके सीमेण्ट के तीन कट्टों के अलावा मन्दिर की जीर्ण-शीर्ण स्थिति नजर आई। मन्दिर के ऊपर लैन्टर डालने के लिए ढोले के रुप में बिछाई गई प्लाई भी जर्जर हो चुकी है ।

श्री पाण्डे ने कहा कि वे ब्लॉक के अन्तर्गत विभिन्न मदों में अपूर्ण योजनाओं का संकलित ब्यौरा शीघ्र ही सरकार के समक्ष पेश करते हुए इसके लिए जवाबदेही सुनिश्चित कराने की मांग करेंगे।

उन्होंने कहा कि पंचायत राज अधिनियम की धारा 66 के अनुसार बीडीसी की त्रैमासिक बैठक होनी चाहिए थी लेकिन आरटीआई से प्राप्त सूचना में बीडीसी के गत पाँच साल के कार्यकाल में मात्र एक बैठक हुई जो आश्चर्य का विषय रहा जबकि इस अवधि में कार्यपंजिका के अनुसार विभिन्न मदों में करोड़ों के कार्य हुए हैं ।

राज्य के विकास हेतु जवाबदेही के सवाल को लेकर मुखर रमेश चन्द्र पाण्डे ने जहाँ एक ओर कानून की अनदेखी और अपूर्ण कार्यो के लिए उत्तरदायियों के खिलाफ कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की वहीं दूसरी ओर इस स्थिति के लिए क्षेत्रवासियों में जागरूकता की कमी को भी जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने क्षेत्रवासियों से गलत को गलत और सही को सही कहने का साहस जुटाते हुए अपने क्षेत्र की अपूर्ण योजनाओं को जवाबदेही के साथ पूर्ण कराने के लिए एकजुट होकर आगे आने का आह्वान किया ।

स्व.गोकुल सिंह बृजवाल छात्रवृत्ति मेधावी योजना

मुनस्यारी। शिक्षक व जनसरोकारों से जुड़े तल्ला दुम्मर निवासी जगदीश सिंह बृजवाल अपने पिता स्व. गोकुल सिंह बृजवाल के स्मरण में छात्रवृत्ति योजना एवं मेमोरियल सोसाइटी की तैयारी कर रहे हैं। इस गैर लाभकारी संगठन का मुख्य उद्देश्य सरकारी विद्यालय क्षेत्र से चयनित कक्षा 1 से 8 तक के मेधावी बच्चों को छात्रवृत्ति प्रोत्साहन, गणवेश, पुस्तकें, स्टेशनरी इत्यादि सहायता, गरीब बच्चों को उच्चशिक्षा हेतु सहायता, पर्यावरण व समाज सुधार कार्य है। बताते चलें कि श्री जगदीश बृजवाल 31 मार्च को सेवानिवृत्त होने जा रहे हैं। हमेशा समाजहित में जुटे बृजवाल पिघलता हिमालय परिवार के शीर्ष लेखकों में से हैं और 31 मार्च के बाद से वह नई ऊर्जा में दिखाई देंगे।

पूर्णागिरी मेले में उमड़ रही भीड़

टनकपुर। पूर्णागिरी मेला इन दिनों चरम पर है। हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं का आना जारी है। उमड़ रही भीड़ का रुख ब्रह्मदेव स्थित सिद्धनाथ मन्दिर की ओर भी है। आने वालों में ज्यादातर यूपी के विभिन्न जनपदों से हैं, जो पैदल जत्थों में, साइकिलों में, दुपहिया, कार, निजी वाहनों व ट्रेन सफर कर पहुंच रहे हैं। यात्रियों के कारण मेला क्षेत्र से लेकर नेपाल सीमा ब्रह्मदेव मण्डी तक गुलजार बना है। बाहर से आने वाले जत्थों का खास पड़ाव चकरपुर है, जहाँ शिव मन्दिर में लगातार भीड़ दिखाई दे रही है। खटीमा, बनबसा, चकरपुर से होते हुए यात्री टनकपुर में शारदा घाट आ रहे हैं। यहाँ से यातायात संचालन के लिये लगाई गई बसों व टैक्सी यूनियन की सर्विस उन्हें उपलब्ध है।

जान जोखिम में

पूर्णागिरी मेले में आने वाली भीड़ में से कई लोग जान जोखिम में डाल शार्टकट रास्तों का प्रयोग कर रहे हैं। इससे पार्किंग की समस्या उत्पन्न हो रही है और खतरा भी है। आने वालों से अपील की गई है कि वह तय मार्ग से ही यात्रा करें।

जोहार सहयोग.....

पृष्ठ 3 का शेष

सदस्यों को सुझाव दिया जाना चाहिए। पारदर्शिता और अच्छे कार्य करने पर लोग अपने आप जुड़ते रहेंगे। कहा कि संस्था को शिक्षा, स्वास्थ के आलावा भी अन्य क्षेत्र में कार्य करने कि आवश्यकता है। कृषि, जड़ी बूटी उत्पादन में लोगों को सहायता प्रदान किया जाए। बेरोजगारों को रोजगार करने के लिए आर्थिक सहयोग की आवश्यकता है, उस पर विचार किया जाय। उन्होंने सभी सदस्यों से अनुरोध किया की वे स्वेच्छा से संस्था के लिए क्या कर सकते है, आगे आना चाहिए। देहरादून में जेएसएस द्वारा जोहार भवन बनाने मे सहयोग करने का अनुरोध संस्था से किया है कैसे किया जाय विचार किया जाए। इस पर मोहन सिंह मर्तोलिया ने अवगत कराया की संस्था के बॉयलॉज अन्तर्गत किसी संस्था को ऋण देने का प्रावधान नहीं है। अगर कोई सदस्य अपने खाते का व्याज भवन निर्माण के लिए दी सकते है संस्था शीघ्र इस कार्य को अनुरोध प्राप्त होने पर धनराशि ट्रांसफर कर देगी।

विशिष्ट अथिति श्रीराम सिंह धर्मशक्तू ने अपने सम्बोधन में अनुरोध किया की संस्थाओ को अपने बायलॉज के अनुसार कार्य करना चाहिए तथा समाज के प्रति समर्पित भाव से कार्य किया जाना चाहिए। ऋण डिफाल्टर की सूची सभी सदस्यों के संज्ञान मे लाया जाना चाहिए। सदस्यता राशि और ऋण राशि की सीमा को बढ़ाया जा सकता है। सामाजिक कल्याण के लिए जैसे कृषि मेला, पर्यावरण, स्वास्थ शिविर जैसे कार्य किये जाएं। कहा कि संस्था के पदाधिकारियो को सदस्यों द्वारा जो जिम्मेदारी दी गयी है ईमानदारी, मेहनत और निस्वार्थ भाव से निर्वहन किया जाना चाहिए। उन्होंने सभी सदस्यों को बैठक मे भाग लेने और आगे भी सहयोग की अपील की। बैठक के अन्त में मोहन सिंह मर्तोलिया ने सभी सदस्यों को बैठक मे आकर बैठक का सार्थक बनाने के लिये धन्यवाद दिया।

HIMALAYAN MUNSYARI STORE
Johar Nagar, Bhotia Padav, Haldwani
(एक छत के नीचे अपने हस्तशिल्प, कुटीर उद्योग के उत्पादों का विश्वसनीय प्रतिष्ठान)
मो.- 8755116161. 84779321316 वीरेन्द्र सिंह मपवाल

घर से बाहर अपनों का साथ
होटल लक्ष्य इन
मदकोट
नरेन्द्र सिंह रावत
सम्पर्क 7351285555

होटल
माँ नन्दादेवी
एण्ड बारातघर
नानासेम, मुनस्यारी
मो.न.
8958525979,
9411134775
फोन सम्पर्क-
05961-222236
गणेश सिंह मर्तोलिया
एण्ड सन्स
हार्डवेयर, बिल्डिंग
मैटीरियल, जनरल आर्डर
सप्लायर्स

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

सतगढ़ में जसुली बूढ़ी लला सोक्यानी धर्मशाला जीर्णोद्धार एवं प्रबन्धन समिति के वार्षिकोत्सव की तैयारियां शुरू

डीडीहाट/पिथौरागढ़। दानवीरांगना जसुली बूढ़ी सोक्यानी धर्मशाला जीर्णोद्धार एवं प्रबन्धन समिति का द्वितीय वार्षिकोत्सव इस बार कनालीछीना के सतगढ़ स्थित धर्मशाला में होने जा रहा है, जिसकी तैयारियां शुरू हो चुकी हैं।

समिति की ओर से प्रथम वार्षिक समारोह नैनीताल जनपद के सुयालबाड़ी क्षेत्र के खीनापानी स्थित जसुली धर्मशाला में किया गया था। इस बार सतगढ़ स्थित खूबसूरत धर्मशाला क्षेत्र में 18 अप्रैल को सायंकाल सिंमी तंब्वल पूजा-पाठ के साथ ही आयोजन की शुरूआत हो जायेगी और 19 अप्रैल को सम्मान सम्मान समारोह, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के अलावा खुली सभा में विचार-विमर्श होगा।

आयोजन को लेकर समिति के संरक्षक इंजी. फल सिंह बोनाल, अध्यक्ष फली

सिंह दताल, सचिव सेनू सिंह तितियाल ने बताया कि जसुली से जुड़ी स्मृतियों को संजोने व संरक्षित करने के लिये निरन्तर किये जा रहे कार्यों के क्रम में यह आयोजन है, जिसमें शासन- प्रशासन के द्वारा किये जा रहे उपायों की प्रसंशा के अलावा उनका आभार प्रकट किया जायेगा। जनसाधारण से अपील की जाएगी कि लला जसुली की स्मृतियों के धर्मशालाओं को सुरक्षित रखने में आगे आएं, यह इतिहास और हमारी संस्कृति के आधार रहे हैं।

भवाली-अल्मोड़ा हाईवे पर खीनापानी धर्मशाला में पिछले भव्य आयोजन से उत्साहित समिति ने इस बार सम्मानित होने वालों की सूची भी जारी की है जिसमें गंगा सिंह पांगती, डॉ. पंकज उप्रेत, डॉ. ललित जोशी, अशोक सिंह गर्ब्याल, लक्ष्मण सिंह डांगी, देव सिंह पंचपाल, नरेन्द्र सिंह दताल, सुन्दर सिंह लटवाल, श्रीमती पुष्पा ग्वाल दुग्ताल, स्व. रघुवीर सिंह रौंकली को सम्मानित किया जाएगा। आयोजन को लेकर सतगढ़ क्षेत्र के लोगों में भारी उत्साह देखा गया है।

आदि कैलास यात्रा के लिये पैकेज लॉन्च

नैनीताल। आध्यात्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कुमाऊँ मण्डल विकास निगम ने आदि कैलास और ओम पर्वत यात्रा के लिए नए यात्रा मार्ग और पैकेज लॉन्च किये हैं। यह यात्रा हल्द्वानी, टनकपुर और धारचूला से शुरू होगी।

निगम के महाप्रबन्धक विजयनाथ शुक्ला ने बताया कि हल्द्वानी शुरू होकर हल्द्वानी में ही वापसी तक नौ दिवसीय यात्रा का पैकेज 45 हजार रुपये प्रति यात्री है। आठ मई से प्रारम्भ होगी। इसमें जागेश्वर, पिथौरागढ़, धारचूला, गुंजी, नाभीढांग, ज्योलिंकॉन्ग, बूंदी, चौकोड़ी, अल्मोड़ा होते हुए वापसी शामिल है। इसके प्रमुख आकर्षणों में नाभिधारा, काली मन्दिर, गौरीकुण्ड, पाण्डव सरोवर, कुटी गांव, पार्वतीय सरोवर हैं। बताया कि धारचूला से शुरू होकर वापस धारचूला तक की 5 दिवसीय छोटी यात्रा का पैकेज 36000 रुपये का है जो 1 मई से 5 जून तक उपलब्ध होगी। यात्रियों को सुबह चाय, नाश्ता, दोपहर भोजन, शाम की चाय, नाश्ता, दोपहर का भोजन, शाम की चाय और रात्रि भोजन सुविधा होगी।

गुमानी की याद में उप्राड़ा में आयोजन

गंगोलीहाट। पं.लोकरत्न पन्त 'गुमानी' की 236वीं जयन्ती के अवसर पर उनके पैतृक स्थान उप्राड़ा में आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रो.उमा भट्ट ने कहा कि गुमानी संस्कृत के उत्कृष्ट कवियों में से थे। उन्होंने लोक साहित्य में जिस प्रकार के कार्य किये, उनके लिये संग्रहालय होना चाहिये ताकि आम जनमानस आसानी से उन्हें देख सकें। प्रो. गिरीश चन्द्र पन्त ने गुमानी की रचनाओं को प्रस्तुत करने के अलावा गुमानी होली उत्थान समिति को 51000 रुपये की सहयोग राशि भेंट की। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए रा.महा.बेरीनाग के प्राचार्य बी.एम. पाण्डेय ने आयोजन को लोक संस्कृति के संरक्षण के लिये प्रासंगिक बताया। रा.महाविद्यालय गणाई के प्राचार्य सिद्धेश्वर कुमार सिंह ने गुमानी की कविता का वाचन किया। इस अवसर पर भास्कर आस्थाना, गिरीश जोशी, राजेन्द्र बिष्ट, डॉ.जे.एन.पन्त, संजय पन्त मौजूद थे।

न तेरा न मेरा Thats
APNA GHAR चौकोड़ी
HOTEL RESTRO BANQUET
मो.- 9458920379, 6396098804
YOGA MEDITATION | LIVE MUSIC | HOMELY FOOD | BIRTHDAY WEDDING
Near by- (माँ कोटगाड़ी, नौलिंग देव, पातालभुवनेश्वर)
पितृछाया- स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. जोगासिंह मर्तोलिया

Hotel Bala Paradise
Tiksain, Munsiari
Ph. 05961222237, 9412951678

धमोत होम स्टे
धरमघर/चकोड़ी
(एडवेंचर जोन, ट्रेकिंग, माउंटेन वाइकिंग, स्थानीय व्यंजन)
मो. 9760007148
www.mountainheights.in

नव सम्वत्सर 'रौद्र' की हार्दिक शुभकामनाओं के साथ-

हरीश सिंह पांगती
जोहार कलौनी,
पुलिस लाइन
पिथौरागढ़

प्रधान पन्तनगर बीज भण्डार
गांधी चौक
पिथौरागढ़

प्रेम सिंह बुर्फाल
(वृन्दावन विहार)
मल्ली बमौरी, हल्द्वानी

ध्रुव सिंह मर्तोलिया
डी.एफ.ओ.
रामनगर वन प्रभाग
(नैनीताल)

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी(नैनीताल) से मुद्रित।

सम्पादकः श्रीमती गीता उप्रेती फोन/मोबाइल 9458961490, 9411770280, 9411301014,
editorpighaltahimalay@gmail.com
Website- www.pighaltahimalay.com

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)